हिन्दी भाषा

इस टेस्ट का उद्देश्य हिन्दी भाषा में आपकी कुशलता को परखना है। हिन्दी भाषा की योग्यता का परीक्ष.ा कार्यात्मक व्याकर.ा पर आधारित प्रश्नों से, रीडिंग कॉम्प्रीहेन्सन से, संदर्भ आधारित प्रश्नावली आदि से किया जायेगा। यहाँ अंग्रेजी साहित्य अथवा कविता व.ानि से कोई भी प्रश्न नहीं होंगे।

इस परीक्ष.ा में प्रयोग होने वाले प्रश्नों को निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है-

(A) गलती को चिह्नित करना

(B) वाक्य शुद्धता

(C) वाक्य पू.र्ा करना

(D) संक्षिप्त गद्यांश

(E) रीडिंग कॉम्प्रीहेन्सन

(F) वाक्यों का नये क्रम में लिखना

उपरोक्त में से प्रत्येक भाषा योग्यता के एक या अधिक क्षेत्र का परखता है।

(A) गलती को चिह्नित करना (Spotting the Error) :

अभ्यर्थी को इस प्रकार के प्रश्नों में सामान्य अंग्रेजी में प्रयोग होने वाले व्याकर.ा के नियमों से परिचित होना चाहिए। यहाँ सही व्याख्या की जानकारी पर ध्यान देना होगा। वाक्य में व्याकर.ा और वाक्य संरचना सही होना चाहिए।

इस भाग में प्रत्येक प्रश्न चार भागों में बाँटा गया है और प्रत्येक भाग में **(1) (2) (3)** और **(4)** संख्याओं से प्रदर्शित किया गया है। आपको निश्चय करना है कि यदि वाक्य में कोई त्रुटि है तो ज्ञात करना है कि किस भाग में त्रुटि है। यदि त्रुटि है तो उस भाग की संख्या ही उत्तर है। यदि वाक्य सही है तो आपका उत्तर ''5'' यानि ''कोई त्रुटि नहीं है।'' होगा।

नीचे दिये गये उदाहर.ाों का अध्ययन करिये—

प्र.1. दिल्ली सरकार ने प्याज को /(1) कम कीमत पर जनता तक पहुंचाने के लिए /(2) 1000 स्टॉल खोलने के साथ ही /(3) 150 मोबाइल वैन की व्यवस्था से है।/(4) कोई त्रुटि नहीं (5)

उत्तरः(4) 150 मोबाइल वैन की व्यवस्था की है।

प्र.2. तेजी से बढ़ते एक्वेरियम उद्योग की /(1) मांग को देखते हुए भारत ने /(2) पिछले 7 वर्ष में 15 लाख से अधिक लुप्तप्राय मछलियों का निर्यात किया/(3) जिससे देश के जलजंतुओं का भविँय प्रभावित हो रहा है।/(4) कोई त्रुटि नहीं (5)

उत्तरः(1) बढ़ते के 'हुए' शब्द का प्रयोग किया जाना चाहिए।

(B) वाक्य शुद्धता (Sentence correction) :—

इस प्रकार के प्रश्नों में, एक वाक्य दिया होता है जिसमें शब्द/वाक्यांश जो रेखांकित अक्षरों में छपे होते हैं, उनका समूह दिया होता है। वाक्यांश में व्याकर.ीय अथवा मुहावरीय गलती हो सकती है। वाक्य में चार वाक्यांश के नीचे **(1), (2), (3)** और **(4)** संख्यायें लिखी होती हैं उनमें से रेखांकित शब्दों में छपा वाक्यांश में यदि गलती हो, तो उस वाक्यांश की संख्या जो गलत वाक्यांश के लिये सही विकल्प है, वह आपका उत्तर है। यदि वाक्य सही है यानि सभी मोटे छपे हुये वाक्यांश में कोई भी गलती नहीं है तो उत्तर ''5'' होता है। इसका अर्थ वाक्य सही करने की आवश्यकता नहीं है।

प्र.1. हिंदू के घर के <u>भीतर</u> (1) पवित्रता और स्वच्छता <u>समानार्थी</u> (2) हो सकते हैं लेकिन घर से बाहर आते ही यह <u>रिश्ता</u> (3) लगभग पूरी तरह <u>टूट</u> (4) जाता है। <u>सभी सही हैं।</u> (5)

उत्तरः(2) 'समानार्थी' के स्थान पर 'पर्यायवाची' आएगा।

प्र.2. <u>आखिर</u> (1) एकलव्य और क.र्ा के <u>गुरूओं</u> (2) ने उनके साथ जो किया वह <u>उनका</u> (3) अपने पेशे से <u>घात</u> (4) नहीं तो और क्या था? <u>सभी सही हैं।</u> (5)

उत्तरः(5) सभी सही हैं।

(C) वाक्य पू.र्ा करना (Sentence Completion) :—

इस प्रकार के प्रश्नों द्वारा वाक्य के अर्थ को पूरा करने के लिये ऐसे शब्दों और वाक्यांश का पता लगाते हैं, जो तर्क और व्याकर.ा रूप से पू.र्ा हो अतः इस भाग में आपकी यही योग्यता देखी जाती है। एक वाक्य अधूरे शब्द/वाक्यांश के साथ दिया गया है। अधूरे शब्द को दो खाली स्थान द्वारा दर्शाया गया है। दिये गये विकल्पों में से सबसे

उपयुक्त शब्द/वाक्यांश का पता लगाते हैं। यह निश्चित करते समय कि खाली स्थान के लिये कौन सा शब्द उपयुक्त है; आपको दिये गये वाक्य में यह ध्यान देना चाहिये।

यहाँ दो वाक्य अभ्यास के लिये दिये गये हैं :-

उदाहर.ा :

प्र.1. धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की खिल्ली उड़ाना इतना -------------- हो गया है कि देश का प्रधानमंत्री विदेश जाकर ------------ मंच से यह काम करता है, बिना यह सोचे कि उसने धर्मनिरपेक्ष संविधान की रक्षा करने की शपथ ली है।

(1) प्रचलित, विदेशी (2) प्रसिद्ध, आधुनिक (3) लोकप्रिय, अंतर्राष्ट्रीय
(4) स्वाभाविक, सार्वजनिक (5) निर्भीक, अंग्रेजी

उत्तरः(4) स्वाभाविक, सार्वजनिक

प्र.2. आंबेडकर को जपा जाता है, पर समाज में धंसी घनीभूत --------------- का समाधान खोजने की इच्छा ------------ रहती है।

(1) घृ.ाा, अनुपस्थित (2) महिमा, अनुपस्थित (3) आशक्ति, उपस्थित
(4) कटुता, अविरल (5) घृ.ाा, विद्यमान

उत्तरः(1) घृ.ाा, अनुपस्थित

(D) संक्षिप्त गद्यांश (Suppressed Words Passage) :-

आपको छूटे हुए कुछ शब्दों के साथ एक गद्यांश दिया होता है। निर्देशों का अध्ययन करिये।

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांश में, खाली स्थान है। प्रत्येक खाली स्थान पर संख्यायें लिखी हुयी हैं और प्रत्येक खाली स्थान के लिये नीचे पाँच शब्द दिये गये हैं। सम्पू.र्ा गद्यांश के अर्थ के अनुसार इन खाली स्थानों में जो शब्द उपयुक्त हैं उनको भरना है। उन उपयुक्त शब्दों का पता लगाना है।

किश्तवाड़ जम्मू संभाग में डोडा जिले का एक छोटा-सा कस्बा है, इस जिले का दूसरा कस्बा भद्रवाह है। (-1-) रूप से यह क्षेत्र उधमपुर जिले के भाग रहा है लेकिन शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने जिले के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों को अलग करके डोडा जिला बना दिया। अलग करने का दूसरा कार.ा था कि इस क्षेत्र की आबादी का (-2-) कश्मीरी भाषा बोलता है और इसकी पहाड़ी सीमा दक्षि.ा कश्मीर में घाटी के सोपियां क्षेत्र से मिलती है। पुराने जमाने में घाटी जाने का एक रास्ता यहां से भी आरम्भ होता था। शायद इसीलिए कश्मीरी भाषी लोग (-3-) से यहां आकर बसते रहे हैं। किश्तवाड़ से कश्मीर घाटी जाने का सिलसिला भी जारी रहा है। प्रसिद्ध कश्मीरी फकीर कवि नुंद ऋषि यानी षेख नूरूद्दीन यहीं से घाटी चले गए थे। यह इलाका 1989 के बाद आतंकवादी दौर में काफी हद तक शांत रहा और (-4-) से अलग ही रहा। लेकिन कश्मीरी राजनीति की चपेट में आने का खतरा डोडा को जिला बनने के बाद से ही था। इसमें वे सारे तत्व मौजूद थे, जिनका अलगाववादी राजनीति के लिए इस्तेमाल किया जा सकता था। धार्मिक और भाषाई (-5-) से इस पर कश्मीरी राजनीतिकों का असर बढ़ रहा था, इसकी सीमाएं घाटी से मिलती थीं और इसमें (-6-) आबादी थी जिनमें कश्मीरी पंडित और गैर कश्मीरी पंडित दोनों थे। हालांकि कश्मीरी राजनीतिक नेता डोडा, बद्रवाह और किश्तवाड़ के नेताओं को (-7-) की नजर से देखते रहे हैं। केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद को कश्मीर की राजनीति में किनारे करने का एक कार.ा यह भी रहा है कि वे इसी इलाके के निवासी और नेता हैं। इस बात को समझना आसान है कि क्यों किश्तवाड़ जम्मू और कश्मीर साम्प्रदायिक (-8-) की कुंजी है और उसे बिगाड़ने की भी। इस क्षेत्र में साम्प्रदायिक सहमति में गड़बड़ी का प्रभाव न केवल जम्मू पर पड़ेगा अपितु कश्मीर घाटी में भी इसकी (-9-) होगी। इसलिए अगर किसी गुट ने हालात बिगाड़ने और राज्य में फिर से अलगाव की हवा बहाने की योजना बनाई हो तो उस ने पीर पंजाल पहाड़ी श्रृंखला के दोनों और मार करने वाले (-10-) का इस्तेमाल करने की कोशिश की है।

प्र.1. (1) परंपरागत (2) राजनैतिक (3) भौगोलिक (4) ऐतिहासिक (5) आधुनिक

उत्तरः(1) परंपरागत

प्र.2. (1) अधिकांश (2) बाहुल्य (3) अधिकतर (4) मुख्य (5) बहुमत

उत्तरः(5) बहुमत

प्र.3. (1) पहाड़ी (2) घाटी (3) मैदान (4) शहर (5) जंगल

उत्तरः(2) घाटी

प्र.4. (1) आतंकवाद (2) संघवाद (3) अलगाववाद (4) प्रतिवाद (5) विवाद

उत्तरः(3) अलगाववाद

प्र.5.(1) आधार (2) पक्ष (3) पहलू (4) दृष्टि (5) क्षेत्र

उत्तरः(4) दृष्टि

प्र.6. (1) हिंदू (2) मिश्रित (3) मुस्लिम (4) कश्मीरी (5) आदिवासी

उत्तरः(2) मिश्रित

प्र.7. (1) निराशा (2) आशंका (3) शंकालु (4) आशा (5) संदेह

उत्तरः(5) संदेह

प्र.8. (1) असंतुलन (2) भावना (3) संतुलन (4) आस्था (5) संस्कृति

उत्तरः (3) संतुलन

प्र.9. (1) अवहेलना (2) संवेदना (3) अनुभूति (4) प्रतिध्वनि (5) सांत्वना

उत्तरः (4) प्रतिध्वनि

प्र.10. (1) हथियार (2) आयुध (3) अस्त्र (4) आतंकियों (5) सैनिकों

उत्तरः (1) हथियार

(E) रीडिंग कॉम्प्रीहेन्सन **(Reading Comprehension) :-** रीडिंग कॉम्प्रीहेन्सन के प्रश्नों द्वारा समझने की क्षमता, वाक्य विश्लेष.ा, जानकारियों को लागू करना और लिखित रूप में धार.ाओं को प्रस्तुत करने की क्षमता का परीक्ष.ा किया जात है। सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये गद्यांश के कथनों पर आधारित होते हैं। इस प्रकार रीडिंग कॉम्प्रीहेन्सन में निम्न प्रकार से आपकी क्षमता को परखा जाता है।

☐ दिये गये गद्यांश में कथनों और शब्दों को समझने में।

☐ दिये गये गद्यांश में बिन्दुओं और धार.ाओं के बीच तार्किक सम्बन्ध को समझने में।

☐ दिये गये गद्यांश में तथ्यों और कथनों से निष्कर्ष निकालने में।

रीडिंग कॉम्प्रीहेन्सन प्रश्नों का उत्तर देने के लिये निर्देश रू

नीचे कुछ निर्देश दिये गये हैं जो गद्यांश के प्रश्नों का उपयुक्त उत्तर देने के लिये प्रयोग होंगी।

(1) सभी प्रश्नों के उत्तर इस आधार पर दीजिए कि गद्यांश से क्या अर्थ प्रकट होता है। फिर भी जब आप सहमत नहीं होते हैं कि गद्यांश का लेखक क्या कह रहा है, तब अपनी राय, ज्ञान के अनुसार मत दीजिये और सामर्थ्य जानकारी के अनुसार अपना नि.ार्य दीजिए कि लेखक क्या कह रहा है।

(2) प्रश्नों को सावधानीपूर्वक पढ़िये और निश्चित हो जाइये कि आप उसको समझ रहे हैं जो आपसे पूछा जा रहा है। यदि आवश्यक हो तो उत्तर को प्राप्त करने के लिये गद्यांश को पुनः पढ़िये।

(3) सभी विकल्पों को सावधानीपूर्वक पढ़िये। बिना सभी विकल्पों को पढ़े हुये, अपने आप में धार.ाा नहीं बनाइये कि आपने सबसे अच्छा उत्तर चुना है।

(4) याद रखिए कि रीडिंग कॉम्प्रीहेन्सन में समझना मुख्य कारक है।

इस प्रकार के प्रश्नों का एक उदाहर.ा नीचे दिया है।

प्र.1-10. निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़िए और नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए। इस गद्यांश में कुछ शब्द मोटे अक्षरों में छपे हैं जो कुछ प्रश्नों के उत्तर देते समय आपकी मदद करते हैं।

गाँधीजी बैरिस्ट्री पढ़कर नौकरी के लिए दक्षि.ा अफ्रीका गए और वापस आकर आज़ादी की लड़ाई के लिए नेतृत्व किया। वे अपनी आत्मकथा 'सत्य के साथ मेरा प्रयोग' में विद्यार्थियों के लिए सत्य, अहिंसा आदि का पाठ देते हैं। साथ ही स्वस्थ्य, सुन्दर अक्षरों में लिखने की आवश्यकता, संस्कृत भाषा का महत्व आदि के बारे में कहते हैं। अपनी आत्मकथा में गाँधीजी कहते हैं कि पढ़ाई में मैं बेवकूफ नहीं था। उस जमाने में स्कूलों से छात्रों के चरित्र, पढ़ाई आदि के सम्बन्ध में प्रमा.ापत्र घर को भेजे जाते थे। मेरे बारे में कोई आपत्ति ऐसे पत्रों में नहीं थी।

पाँचवीं और छठवीं क्लास में पढ़ते समय मुझे स्कॉलरशिप मिली थी। इसे मैं ईश्वर की कृपा मानता था। पुरस्कार व स्कॉलरशिप मिलते समय मुझे संतोष होता था।

मेरे चरित्र पर मुझे बड़ा ध्यान था। मेरे बारे में किसी अध्यापक को कोई आपत्ति होती तो मुझे बड़ा दुःख होता। मुझे एक दो बार स्कूल में मार पड़ी थी। मैं मार की वेदना से ऊपर द.ड से दुखी था। उस पर मैं खूब रोया था। हमारे हेडमास्टर जी दोरावजी एदलजी गीमी थे। वे छात्रों से प्यार करते थे, अच्छी तरह पढ़ाते थे, लेकिन अनुशासन पर कड़े थे। वे छात्रों के लिए व्यायाम को अनिवार्य मानते थे। मैं व्यायाम करने नहीं जाता था। मुझे व्यायाम से दूर रहने के कार.ा कोई दुःख नहीं था। क्योंकि मैं

हर रोज़ ज्यादा पैदल जाता था। स्कूल से आकर पिताजी की सेवा करता था। व्यायाम से मैंने *छूट* माँगा था लेकिन हेडमास्टर ने नहीं माना।

वह शनिवार का दिन था। दोपहर तक क्लास थी। शाम को व्यायाम भी था। आकाश बादल से आवृत था। मेरे पास घड़ी नहीं थी। समय के बारे में कोई पता नहीं था। व्यायाम के लिए स्कूल पहुँचने में देरी हुई। अगले दिन हेडमास्टर ने रजिस्टर देखा तो मैं पकड़ा गया। उनके पूछने पर मैं ने वास्तविक कार.ा कहा। उन्होंने विश्वास नहीं किया। इस पर मुझे जुमार्ना हो गया। मुझे दुःख जुर्माने पर नहीं था बल्कि हेटमास्टर ने मुझे झूठा समझा था, दुख उस पर हुआ था। व्यायाम के बदले मैं ने पैदल जाना जारी रखा।

मुझे सुलेख नहीं आया था। मैं ने सोचा था कि शिक्षा के लिए सुलेख अनिवार्य नहीं है। लेकिन जब मैं दक्षि.ा अफ्रीका गया वहाँ वकीलों का सुलेख देखकर मैं स्वयं शरमा गया। मेरा मत है कि छात्रों को सुलेख आने के लिए चित्रकला सीखनी चाहिए।

संस्कृत भाषा मुझे *पचती* नहीं थी। लेकिन फारसी मेरे वश में आयी थी। उस्ताद भला था। वे एक दिन ज्यादा नहीं पढ़ाते थे। मैं ने संस्कृत को छोड़ा। एक दिन संस्कृत के मास्टर कृष्.ाशंकर ने मुझे उपदेश दिया कि संस्कृत पढ़ें। मैं ने माना। आज मैं कृष्.ाशंकर मास्टर के प्रति कृपावान हूँ जिन्होंने संस्कृत पढ़ने और उसके साहित्य का आस्वादन करने की प्रेर.ाा दी।

छह साल की उम्र से लेकर सोलह साल की उम्र तक स्कूल में शिक्षा मिली। लेकिन नैतिक व धार्मिक शिक्षा नहीं मिली। मेरी राय में उसकी आवश्यकता है। नैतिकता का पाठ मुझे दाई से मिला। उन्होंने मुझे भूत-प्रेत के डर से मुक्ति के लिए राम-नाम का जप करने को कहा। बच्चों के सही रास्ते पर चलने के लिए नैतिक शिक्षा अनिवार्य है।

प्र.1. गद्यांश के अनुसार, ''सत्य के साथ मेरा प्रयोग'' में गाँधीजी ने क्या करने की सलाह नहीं दी है?

(1) सत्य, अहिंसा का पालन करने की (2) सुलेख लिखने की

(3) व्यायाम करने की (4) नैतिक शिक्षा प्राप्त करने की

(5) संस्कृत पढ़ने की

उत्तरः (3) व्यायाम करने की

प्र.2. व्यायाम के स्थान पर गाँधी जी क्या करते थे?

(1) योग करते थे। (2) प्रा.ाायाम करते थे। (3) पैदल चलते थे।

(4) तैराकी करते थे। (5) कबड्डी खेलते थे।

उत्तरः (3) पैदल चलते थे

प्र.3. सुलेख पर गाँधी जी की राय क्या है?

(1) अच्छे सुलेख के लिए संस्कृत सीखनी चाहिए (2) अच्छे सुलेख के लिए चित्रकला सीखनी चाहिए

(3) अच्छे सुलेख के लिए व्यायाम करना चाहिए (4) अच्छे सुलेख के लिए प्रा.ाायाम करना चाहिए

(5) अच्छे सुलेख के लिए फारसी सीखनी चाहिए

उत्तरः (2) अच्छे सुलेख के लिए चित्रकला सीखनी चाहिए।

प्र.4. व्यायाम में अनुपस्थित रहने पर हेडमास्टर ने गाँधी जी को कौन-सी सजा दी थी?

(1) पिटाई की थी। (2) स्कूल आने से मना कर दिया था।

(3) पैदल चलने को कहा था। (4) जुर्माना लगाया था।

(5) संस्कृत सीखने को कहा था।

उत्तरः (4) जुर्माना लगाया था।

प्र.5. गाँधीजी द.ड से क्यों दुःखी हो गए थे?

(1) क्योंकि उनके पास जुर्माना भरने के लिए पैसे नहीं थे।

(2) क्योंकि उनके माता पिता ने उन्हें कभी द.िडत नहीं किया था।

(3) क्योंकि हेडमास्टर ने जरूरत से ज्यादा द.ड दे दिया था।

(4) क्योंकि हेडमास्टर ने उनकी वास्तविक बात पर विश्वास नहीं किया।

(5) क्योंकि शारीरिक रूप से कमजोर होने के बावजूद भी उन्हें द.िडत किया गया था।

उत्तरः (4) क्योंकि हेडमास्टर ने उनकी वास्तविक बात पर विश्वास नहीं किया।

प्र.6. कृष्.ाशंकर मास्टर कौन थे?

(1) नैतिक शिक्षा के अध्यापक थे। (2) फारसी के अध्यापक थे।

(3) स्कूल के हेडमास्टर थे। (4) व्यायाम के अध्यापक थे।

(5) संस्कृत के अध्यापक थे।

उत्तरः (5) संस्कृत के अध्यापक थे।

प्र.7. शिक्षा के लिए गाँधीजी क्या अनिवार्य मानते थे?

(1) संस्कृत की शिक्षा (2) चित्रकला की शिक्षा

(3) व्यायाम का अभ्यास (4) नैतिक व धर्म की शिक्षा

(5) राम नाम का जप करना

उत्तरः (4) नैतिक व धर्म की शिक्षा

प्र.8. गाँधी जी को नैतिक शिक्षा किसने दी थी?

(1) संस्कृत के मास्टर कृष्.ाशंकर ने (2) हेडमास्टर दोरावजी एदलजी गीमी ने

(3) फारसी के उस्ताद ने (4) दाई रम्भा ने

(5) माता पिता ने

उत्तरः (4) दाई रम्भा ने

प्र.9. गद्यांश के अनुसार, शब्द ''छूट'' को किस अर्थ में प्रयोग किया गया है?

(1) स्वतंत्रता (2) राहत (3) अनुमोदन (4) ढील (5) माफी

उत्तरः (4) ढील

प्र.10. गद्यांश के अनुसार, शब्द ''पचती'' का विपरीत अर्थ वाला शब्द कौन सा है?

(1) परिहार (2) अपनिर्वचन (3) उपेक्षा (4) निवार.ा (5) मोचन

उत्तरः (1) परिहार

(F) वाक्यों का नये क्रम में लिखना **%(REARRANGEMENT OF SENTENCES) :**

यह दूसरे प्रश्नों का समूह है जिससे समझने की क्षमता के अतिरिक्त जानकारियों को पढ़ना और पढ़ते हुये तार्किक क्रम में विचारों को व्यवस्थित करने की क्षमता का परीक्ष.ा किया जाता है।

इस प्रकार के प्रश्नों में अभ्यर्थी को चाहिए कि वह दिये गये बिना क्रम के वाक्यों को उचित क्रम में व्यवस्थित करें और उनसे एक अर्थपू.र्ा गद्यांश को बनायें।

प्र.11-15. निम्नलिखित वाक्य दो व्यक्तियों के बीच वार्तालाप है कथनों/प्रश्नों **(A)] (B), (C), (D), (E), (F)** और **(G)** में विभाजित किया गया है। उचित क्रम में वाक्यों को व्यवस्थित करना जिससे एक अर्थपू.र्ा गद्यांश बने। तब प्रश्नों का उत्तर नीचे दिया है।

(A)शिक्षा के जरिये चरित्र निर्मा.ा हमारी प्राथमिक चिंता होनी चाहिए।

(B)शिक्षा में हमें 'पढ़ते हुए शिक्षित होने' संबंधी फार्मूला अपनाने की आवश्यकता है।

(C)इससे छात्रों में सृजनात्मक प्रवृत्ति का उभार होगा। वैसे भी गांवों को आत्मनिर्भर इकाइयों के रूप में ग्रह.ा करने पर जोर देने की जरूरत है।

(D)इसके लिए व्यावसायिक शिक्षा को अपनाकर छात्रों में कौशल बढ़ेगा।

(E)बच्चों को सिर्फ किताबी जानकारी न देकर, उनका रूझान शारीरिक श्रम की ओर भी रखने की जरूरत है।

(F) इसलिए व्यावसायिक और कार्यपरक शिक्षा पर जोर दिया जाना चाहिए।

(G)शिक्षा के माध्यम से हमें छात्रों में नैतिक भावना भी डालनी है।

प्र.6. उपरोक्त गद्यांश को व्यवस्थित करने के बाद ''दूसरा'' वाक्य कौन सा होगा?

(1) **E** (2) **D** (3) **G** (4) **A** (5) **F**

उत्तरः (5) सही व्यवस्था है- **(E) (F) (B) (C) (D) (G) (A)**

प्र.7. उपरोक्त गद्यांश को व्यवस्थित करने के बाद ''अंतिम'' वाक्य कौन सा होगा?

(1) A (2) D (3) G (4) F (5) E

उत्तरः (1) । सही व्यवस्था है-**(E) (F) (B) (C) (D) (G) (A)**

प्र.8. उपरोक्त गद्यांश को व्यवस्थित करने के बाद ''चौथा'' वाक्य कौन सा होगा?

(1) F (2) A (3) G (4) C (5) E

उत्तरः (4) सही व्यवस्था है- **(E) (F) (B) (C) (D) (G) (A)**

प्र.9. उपरोक्त गद्यांश को व्यवस्थित करने के बाद ''पहला'' वाक्य कौन सा होगा?

(1) F (2) D (3) E (4) A (5) G

उत्तरः (3) सही व्यवस्था है-**(E) (F) (B) (C) (D) (G) (A)**

प्र.10. उपरोक्त गद्यांश को व्यवस्थित करने के बाद ''पांचवां'' वाक्य कौन सा होगा?

(1) F (2) D (3) G (4) A (5) E

उत्तरः (2) सही व्यवस्था है- **(E) (F) (B) (C) (D) (G) (A)**

प्रश्नावली.IV(B)

सामान्य हिन्दी

प्र.121.130.नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कुछ शब्दों को मोटे अक्षरों में मुद्रित किया गया है, जिससे आप को कुछ प्रश्नों के उत्तर देने में सहायता मिलेगी।

सत्यजीत राय की वर्ष 1956 में आई फिल्म 'अपराजिता' का कालखंड सन् 1920 के आसपास का है। 10. साल का अपू अपने पिता हरिहर रॉय को वारा.ासी से गंगा के तट पर संस्कृत के श्लोकों का पाठ कर किसी तरह अपनी आय अर्जित करते देखता है। इस संघर्षपू.ा जीवन के बीच जब हरिहर की मौत हो गई है तो अपू और उसकी माँ के सामने आजीविका का संकट उत्पन्न हो जाता है। अपू की माँ उसे लेकर अपने गांव बंगाल के निश्चिंदीपुर चली जाती है ताकि अपू अपने बूढ़े काका के साथ काम कर सके, जो मंदिर में पुजारी हैं। अपू की माँ को इस बात पर पूरा भरोसा है कि संस्कृत के ज्ञान और जन्म, मृत्यु तथा अन्य अवसरों पर श्लोक कह लेने की क्षमता विकसित कर अपू एक अच्छा जीवन बिता सकेगा। बहरहाल, अपू कुछ समय तक पंडिताई का प्रशिक्ष.ा लेने के बाद संस्कृत और पूजापाठ छोड़कर एक स्कूल में दाखिला ले लेता है और उसके बाद वह कोलकाता में एक पश्चिमी शैली के कॉलेज चला जाता है। उस वक्त भी उसे यह अंदाजा होता है कि रोजगार हासिल करने के लिए किस तरह की पढ़ाई करने की आवश्यकता है।

ऐसा लगता है कि समूचे शेष भारत में अपू के उदाहर.ा का ही अनुसर.ा किया है और उसकी तरह ही उन्होंने पश्चिमी शैली की कॉलेज शिक्षा को प्राथमिकता दी है। खासतौर पर आजादी के बाद यह रूझान बढ़ा है। वर्ष 1990 के दशक से तो छात्रों में इसके लिए आपाधापी सी मच गई है। तमाम आशावादी सरकारें और कारोबारी भी इस मांग को पूरा करने में सफल नहीं हो पाए हैं। अकेले पिछले दशक के दौरान ही देश में **20,000** नए कॉलेज खुले। इनमें शिक्षा का स्तर चाहे बहुत अच्छा नहीं रहा हो लेकिन ये वा.ाज्य और कंप्यूटर साइंस जैसे पाठ्यक्रमों में छात्रों को आकर्षित कर पाने में कामयाब रहे।

लेकिन धीरे-धीरे इस मनोहरी माहौल पर भी संकट के बादल नजर आने लगे। विभिन्न देशों से आने वाली रिपोर्ट का भरोसा किया जाए तो पता चलता है कि कॉलेज उत्ती.ा करने वाले स्नातकों के वेतन में स्थिरता देखने को मिल रही है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका में वर्ष 2000 से 2008 के बीच स्नातक डिग्री धारी किसी व्यक्ति की औसत आय में 2ए000 डॉलर से अधिक की गिरावट आई औश्र यह सालाना 70ए332 डॉलर रह गई। इसी तरह वर्ष 2008 से लेकर गत वर्ष तक एक बार फिर इसमें 3ए500 डॉलर की कमी आई। भारत में इनकी स्थिति के बारे में पुख्ता आंकड़े हासिल कर पाना तो मुश्किल भरा है लेकिन तमाम रिपोर्टों में दी गई जानकारी पर यकीन करें तो देश में कुल 4ए000 से अधिक बिजनेस स्कूलों में से कुछ ने गत वर्ष अपना काम समेट लिया।

कुछ पर्यवेक्षक जहाँ मेहनताने में आए इस ठहराव और कॉलेजों के बंद होने के लिए मंदी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं वहीं क्ले शिर्की जैस टीकाकारों का मानना है कि कॉलेज शिक्षा का स्व.ायुग अब पीछे छूट चुका है। उनका कहना है कि यह स्व.ायुग सन् 1960 से 1975 के बीच था। उस दौर में युवाओं ने कॉलेजों में जमकर दाखिले लिए, शिक्षकों की संख्या में भी

जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली और शिक्षकों पर से दबाव में भी नाटकीय कमी आई। इतना ही नहीं सरकारों द्वारा विश्वविद्यालयों को तथा अमेरिकी सरकार द्वारा शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए खर्च किए जाने वाले धन में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई। लेकिन सन् 1970 के बाद से अमेरिका में उच्च शिक्षा पर होने वाले खर्च के कर अनुपात में लगातार कमी आने लगी। वह कहते हैं कि बढ़ती लागत और घटती सब्सिडी ने औसत शिक्षा शुल्क में 1000 प्रतिशत से अधिक का इजाफा कर दिया।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विद्वानों क्लॉडिया गोल्डिन और लॉरेंस काट्ज ने अपनी पुस्तक द रेस बिटवीन एजुकेशन ऐंड टेक्नॉलाजी में कहा है कि कॉलेज जाने वाले संभावित छात्र लगातार यह आकलन करते रहते हैं कि आखिरकार कॉलेज में पढ़ने से उनकी आय में हाई स्कूल की डिग्री की तुलना में कितनी बढ़ोतरी हो सकती है। कॉलेज जाने का उनको यह फायदा नजर आता है। इस तरह का आकलन उससे बिल्कुल अलग नहीं है जो अपू ने सन् 1920 के दशक में भारत में किया था। उसने यह आकलन किया कि कोलकाता में कुछ साल खर्च कर एक डिग्री हासिल करने से उसे बाद के जीवन में बेहतर आय अर्जित करने में मदद मिलेगी जबकि संस्कृत पढ़कर पुजारी का जीवन बिताने से उसे कुछ खास हासिल होने वाला नहीं था।

प्रोफेसर गोल्डिन और काट्ज कहते हैं कि कॉलेज से हासिल होने वाला लाभ दरअसल मांग और आपूर्ति के नियम पर आधारित था। अगर कॉलेज स्नातकों की संख्या में 10 प्रतिशत का इजाफा हो जाए तो यह उनके वेतन के प्रीमियम में तकरीबन 6.1 प्रतिशत की कमी होती है। ऐसे में जब कॉलेज स्नातकों की संख्या में तेज गति से इजाफा होता नजर आता है तो इसका साफ मतलब है कि हमे कॉलेज प्रीमियम में कमी आती नजर आएगी। वहीं दूसरी ओर कॉलेज स्नातकों की संख्या में कमी आने से प्रीमियम में इजाफा होगा। अमेरिका में सन् 1980 से 2005 के बीच हम ऐसा देख चुके हैं। 1990 के बाद से इसमें जो तेज गिरावट हमें देखने को मिली है वह मुख्यतया इसलिए है क्योंकि कंप्यूटरीकर.ा के बाद लिपिकीय और उत्पादन संबंधी कामों में श्रम का महत्व कम हुआ। इतना ही नहीं हाल के दिनों में सूचना प्रोद्योगिकी में आई तेज उछाल से मझोले और निचले दर्जे के अनेक रोजगार छिन गए हैं। प्रोफेसर द्वय इसे तकनीकी बदलाव और शिक्षा के बीच की होड़ करार देते हैं। इस सदी के शुरूआती आधे हिस्से में शिक्षा तेज गति से भागी लेकिन पिछले तीस सालों के दौरान तकनीक की तीव्र गति ने उसे पीछे छोड़ दिया।

कॉलेज में बच्चे जो कुछ सीखते हैं उसका व्यावसायिक मूल्य के बाद में बदलता जाता है। संस्कृत श्लोक पढ़ने की क्षमता शायद हजारों वर्षों तक भारत में पंडित के रूप में आजीविका देती रही लेकिन जैसा कि सत्यजीत राय की फिल्म अपराजिता में अपू महसूस करता है, समय बदलता है और उसके साथ-साथ ज्ञान का बाजार मूल्य भी बदलता जाता है। शायद समस्या कॉलेज की नहीं बल्कि वहाँ दी जाने वाली शिक्षा के लागत और मूल्य की है। अगर कॉलेज अपनी समस्याओं को नहीं समझते हैं तो अपू की तरह ही विद्यार्थी समझदारी भरा फैसला लेगें और या तो वे कॉलेज छोड़ देंगे या फिर ऐसे कॉलेज और पाठ्यक्रम चुनेंगे जो उनका भविष्य सवारने में मददगार साबित हो सकें।

प्र.121. अपू अपने पिता हरिहर राय को वारा.ासी में गंगा के तट पर संस्कृत के श्लोकों का पाठ कर अपनी आय अर्जित करते हैं। इस वाक्य में प्रयुक्त शब्द आय का प्रयोग नहीं करना है तो उसकी जगह पर किस शब्द का प्रयोग किया जाएगा?

(1) इन्कम (2) दिहाड़ी (3) कमाई (4) मजदूरी (5) इनमें से कोई नहीं

प्र.122. गद्यांश में प्रयुक्त 'बूढ़े काका' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है।

(1) अपू के भाई (2) अपू के मामा (3) अपू के चाचा (4) अपू के नाना (5) इनमें से कोई नहीं

प्र.123. दिए गये गद्यांश में पश्चिमी शैली का पर्यायवाची क्या होगा?

(1) पाश्चात्य शैली (2) कला शैली (3) मध्यकालीन शैली (4) प्राचीन शैली
(5) इनमें से कोई नहीं

प्र.124. अपू ने पश्चिमी शैली की पढ़ाई के लिए कहाँ पर दाखिला लिया

(1) बनारस (2) कोलकाता (3) बम्बई
(4) इलाहाबाद (5) इनमें से कोई नहीं

प्र.125. पश्चिमी शिक्ष का रूझान भारत में कब से बढ़ने लगा?

(1) आजादी से पहले (2) केवल 1 और 2 (3) 1990 के दशक में
(4) आजादी के बाद (5) इनमें से कोई नहीं

प्र.126. शिक्षा पाठ्यक्रमों में कौन सी पढ़ाई छात्रों को आकर्षित करने में कामयाब रही?

(1) वा.ाज्य (2) कम्प्यूटर साइंस (3) प्रबंधन

(4) वा.ाज्य और कम्प्यूटर (5) इनमें से कोई नहीं

प्र.127. द न्यूयार्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिर्पोट के अनुसार अमेरिका में वर्ष 2000 से 2008 के बीच स्नातक डिग्री धारी किसी व्यक्ति की औसत आय में कितने डॉलर से अधिक की गिरावट आई?

(1) 1,000 डॉलर (2) 5,000 डॉलर (3) 3,000 डॉलर

(4) 4,000 डॉलर (5) 2,000 डॉलर

प्र.128. प्रोफेसर गोल्डिन और काट्ज कहते हैं कि कॉलेज से हासिल होने वाला लाभ माँग और आपूर्ति के नियम पर आधारित था। माँग और आपूर्ति को दूसरे शब्द में क्या कहा जाता है?

(1) डिमांड एवं सप्लाई (2) डिमांड (3) सप्लाई

(4) लाभांश (5) इनमें से कोई नहीं

प्र.129. गंद्याश सत्यजीत राय की किस फिल्म पर आधारित है जिसमें अपू महसूस करता है, समय बदलता है और उसके साथ-साथ ज्ञान का बाजार मूल्य भी बदलता जाता है?

(1) दो गज (2) पाथेर पंचाली (3) अपराजिता

(4) अपराजित (5) इनमें से कोई नहीं

प्र.130. अपू की तरह ही विद्यार्थी समझदारी भरा फैसला लेंगे और या तो वे कॉलेज छोड़ देंगे या फिर ऐसे कॉलेज और पाठ्यक्रम चुनेंगे जो उनका भविष्य संवारने में मददगार साबित हो सके। यहाँ पर भविष्य संवारने में क्या मददगार साबित होंगे?

(1) प्राचीन शिक्षा (2) मध्यकालीन शिक्षा (3) आधुनिक शिक्षा

(4) प्रारम्भिक शिक्षा (5) पाश्चात्य शिक्षा

प्र.131.135. नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न में शब्दों का एक समूह या कोई वाक्यांश मोटे अक्षरों में लिखा गया है। वाक्य के नीचे (1), (2), (3) और (4) विकल्प दिए गए हैं। इनमें से उस विकल्प का चयन कीजिए जो कि वाक्य के मोटे अक्षरों वाले स्थान पर इस तरह रखा जा सके कि वह वाक्य का आशय बदले बगैर उस मोटे अक्षरों वाले भाग की जगह ले ले। अगर कोई विकल्प उस मोटे अक्षरों वाले भाग की जगह नहीं ले सकता तो उत्तर (5) दीजिए, अर्थात् 'संशोधन आवश्यक नहीं'।

प्र.131. चीन अभी सभी देशों को बराबरी का दर्जा नहीं देता।

(1) अभी अन्य देशों (2) कभी भी राष्ट्रों (3) अभी अन्य राष्ट्रों

(4) अभी समान देशों (5) संशोधन आवश्यक नहीं

प्र.132. ब्याज दरों में नरमी छोटे दर्जे तक कायम रखी जाएगी।

(1) छोटे कर्जे (2) बड़े कर्जों (3) लघु दर्जे (4) लम्बे अरसे (5) संशोधन आवश्यक नहीं

प्र.133. ब्राजील के टेलीविजन उद्योग के कामकाज आंकड़े भारत के मुकाबले दोगुने है।

(1) राजस्व (2) वर्चस्व (3) घनत्व (4) राजकाज (5) संशोधन आवश्यक नहीं

प्र.134. '1991 में सैटेलाइट और केबल टीवी आने के बाद डिजिटलीकर.ा भारतीय टेलीविजन के संसार में सबसे बड़ा बदलाव है।'

(1) की दुनिया का (2) की दुनिया में (3) के स्तर में (4) के संसार में (5) संशोधन आवश्यक नहीं

प्र.135. भारत दुनिया का दूसरी सबसे बड़ी टेलिविजन बाजार है।

(1) दूसरे सबसे बड़े (2) दूसरा सबसे बढ़ा (3) दूसरा सबमें बड़ा

(4) दूसरा सबसे बड़ा (5) संशोधन आवश्यक नहीं

प्र.136.140. नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न में एक रिक्त स्थान छूटा हुआ है और उसके नीचे पांच शब्द सुझाए गए हैं। इनमें से किसी एक शब्द को रिक्त स्थान पर रख देने से वह वाक्य एक अर्थपू.र्ा वाक्य बन जाता है। सही शब्द को ज्ञात कर उसकी क्रम संख्या को उत्तर के रूप में अंकित कीजिए। आपको दिए गए शब्दों में से सर्वाधिक उपयुक्त शब्द का चयन करना है।

प्र.136. विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इस युग में भाषा नित नवीन शब्दों से .... हो रही है।

(1) आबद्ध (2) बलवान (3) वृद्ध (4) समृद्ध (5) भरपुष्ट

प्र.137. हर वर्ष 15 अगस्त को देश भर में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से .... हैं।

(1) मनाते (2) करते (3) मानते (4) गंजाते (5) निभाते

प्र.138. आज भी बहुत से साहूकार गांवों में गरीब किसानों को अपने .... में फंसाते हैं।

(1) खेल (2) दाव (3) हाथ (4) अंगुल (5) चंगुल

प्र.139. कविताओं के इस .... में निराला की कविताएं भी हैं।

(1) आकलन (2) संकलन (3) विकलन (4) परिकलन (5) अंकनं

प्र.140. अनुवाद शाब्दिक हो और उसमें उपयुक्त वाक्यांशो और मुहावरों का .... प्रयोग न हो तो भाषा बोझिल, उबाऊ और अरूचिकर प्रतीत होने लगती है।

(1) क्वचित (2) सचित (3) कदाचित् (4) समुचित (5) सूचित

प्र.141.145.नीचे दिया गया हरेक वाक्य चार भागों में बांटा गया है जिन्हें (1), (2), (3) और (4) क्रमांक दिए गए हैं। आपको यह देखना है कि वाक्य के किसी भाग में व्याकर.ा, भाषा, वर्तनी, शब्दों के गलत प्रयोग या इसी तरह की कोई त्रुटि तो नहीं है। त्रुटि अगर होगी तो वाक्य के किसी एक भाग में ही होगी। उसी भाग को क्रमांक ही आपका उत्तर है। अगर वाक्य त्रुटिरहित है तो उत्तर (5) दीजिए।

प्र.141. एक मादा सूअर अपने **(1)/** छः बच्चें के साथ, जो **(2)/** अभी नौ-नौ इंच से बड़े नहीं हुए **(3)/** थे रेलगाड़ी की तरह चलती जा रही थी। **(4)/** त्रुटि रहित **(5)**

प्र.142. खुले बाजार में कंपनियों की सफलता का **(1)/** मंत्र है सबसे ज्यादा लाभ कमाना, **(2)/** प्रतियोगिता को पीठ पीछे पछाड़ना और **(3)/** विज्ञापन से समाज पर छा जाना है **(4)/** त्रुटि रहित **(5)**

प्र.143. जिस व्यक्ति ने जिनसे जितने **(1)/** अधिक धक्के खाए होते **(2)/** हैं उसका अनुभव उतना **(3)/** ही गहन और विशाल होता है। **(4)** त्रुटि रहित **(5)**

प्र.144. पुलिस ने शराब पीकर **(1)/** सड़क पर हुड़दंग मचाने **(2)/** के लिए लड़कों को रात **(3)/** भर के लिए थाने में रोंकँ लिया। **(4)/** त्रुटि रहित**(5)**

प्र.145. बात केवल इतनी नहीं है कि **(1)/** हमारा जीवन देहाती न रह कर **(2)/** शहरी हो गया है बल्कि **(3)/** आत्मयताः के तत्व भी नष्ट हो गए हैं। **(4)** त्रुटि रहित **(5)**

प्र.146.150.नीचे **(A)**ए**(B)**ए**(C)**ए**(D)** और **(E)**में साज कथन दिए गए हैं। इन सभी सात कथनों को इस तरह व्यवस्थित करिए कि उनमें एक अर्थपू.र्ा परिच्छेद बन जाए। फिर उसके बाद दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

(A) जब उन्होंने अपना भाष.ा खत्म किया तो एक युवा खड़ा हुआ और उसने कलाम से पूछा कि उन्होंने युवाओं से किसान बनने को क्यों नहीं कहा?

(B) कुछ साल पहले पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम गुलबर्गा में छात्रों को संबोधित कर रहे थे।

(C) कलाम तो अवाक रह गए।

(D) उन्होंने लम्बा सा कोई जवाब दिया पर उस युवा ने उनकी दली को खारिज कर दिया और खेती के खिलाफ जो पक्षपात हो रहा है, उसे सामने रखा।

(E) उन्होंने छात्रों से कड़ी मेहनत कर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री और उद्यमी बनने का आह्वान किया।

प्र.146. उपरोक्त में से कौन सा पुनर्व्यवस्था के बाद पहला वाक्य होगा ?

(1) D (2) B (3) A (4) C (5) E

प्र.147. उपरोक्त में से कौन सा पुनर्व्यवस्था के बाद चौथा वाक्य होगा?

(1) D (2) B (3) A (4) E (5) C

प्र.148. उपरोक्त में से कौन सा पुनर्व्यवस्था के बाद दूसरा वाक्य होगा ?

(1) E (2) B (3) C (4) D (5) A

प्र.149. उपरोक्त में से कौन सा पुनर्व्यवस्था के बाद तीसरा वाक्य होगा?

(1) E (2) B (3) A (4) D (5) C

प्र.150. उपरोक्त में से कौन सा पुनर्व्यवस्था के बाद आखिरी वाक्य होगा ?

(1) C (2) A (3) D (4) B (5) E

प्र.151.160.नीचे दिए गए परिच्छेद में कुछ रिक्त स्थान छोड़ दिए गए हैं तथा उन्हें प्रश्न संख्या से दर्शाया गया हैं। ये संख्याएं परिच्छेद के नीचे मुद्रित हैं, प्रत्येक के सामने (1), (2), (3), (4) और (5) विकल्प दिए गए हैं। इन पाँचों में से कोई एक इस रिक्त स्थान को पूरे परिच्छेद के संदर्भ में उपयुक्त ढंग से पूरा कर देता है, आपको वह विकल्प ज्ञात करना है, और उसका क्रमांक ही उत्तर के रूप में दर्शाना हैं। आपको दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त का चयन करना है।

एक कंपनी में साल के अंत में विचार-विमर्श सत्र चल रहा था, जिसमें जेनरेशन एक्स और वाई के अधिकारियों को रोकने के तरीकों पर चर्चा चल रही थी, लेकिन करीब 50 वर्षीय मानव संसाधन सलाहकार ने सभी को बीच में रोकते हुए (151) अंदाज में कहा, 'महोदय जेन एक्स और वाई अब बीते जमाने की बात हो चुके हैं। जेन जेड के बारे में क्या ख्याल है?' दरअसल महज तीन साल में जेन जेड यानी 1995 के बाद पैदा हुए लोग भी कामकाजी जिंदगी शुरू करेंगे। 'डिजिटल निवासी' के नाम से भी मशहूर यह पीढ़ी एक संपू.f (152) युग में पैदा हुई है। कंपनियां अभी से कार्यस्थल पर पीढ़ी के इस अंतर से निपटने की योजना बनाना शुरू नहीं करेंगी तो देर हो जाएगी।

सलाहकार बताते हैं कि जेन जेड ऐसी पीढ़ी है, जो निरंतर आंशिक (153) की स्थिति में रहती है। उदाहर.ा के लिए आप अपने बेटे को ही देखिए, जो अपने दोस्त को संदेश या ईमेल भेजते हुए संगीत भी सुन रहा है जबकि (154) मम्मी का फोन होल्ड पर रखा है और उसके लैपटॉप में कॉलेज की ओर से भेजी गई पाठ्य सामग्री डाउनलोड हो रही है। इससे पहले कि आप उनके कम ध्यान देने की इस आदत पर (155) करें, जरा इसके सकारात्मक बात यह है कि जेन जेड एक (156) में एक से ज्यादा काम पर अधिक ध्यान देगी और आपके मुकाबले उसे कहीं बेहतर तरीके से करेगी।

ध्यान रखें कि भविष्य के (157) शायद ही कभी आपसे बात करने के लिए दफ्तर आए, जिसके आप आदी हैं। ज्यादातर प्रबंधक शिकायत करते हैं कि उनके युवा सहकर्मी ईमेल पर बात करने को ज्यादा तवज्जो देते हैं। प्राइसवाटरहाउस कूपर्स का यह सर्वेक्ष.ा युवा कर्मचारियों को (158) करने की वकालत करता है। अब कुछ सवाल अहम हो जाते हैं कि क्या आपके पास यह तय करने के लिए सही जानकारी और (159) हैं कि आपको कहां बदलाव करना है और कहा निवेश की जरूरत पड़ेगी? क्या आपने अपने संगठन में मोबिलिटी, प्रतिभा विकास, उत्तराधिकार योजना और वैश्विक रिसोर्सिंग के लिए जिम्मेदार विभागों के मजबूत संबंध बनाए हैं? इनके जवाब ढूंढना जरूरी होगा क्योंकि जल्द ही (160) से रूबरू होने वाले हैं, जो उससे पुरानी पीढ़ी के मुकाबले अधिक समझदार होगी। जवाब ढूंढने के लिए आपका समय शुरू होता है अब।

प्र.151. (1) नाटकीय (2) भावना पू.f (3) आवेश पू.f (4) क्रोधित (5) रोषपू.f

प्र.152. (1) क्रांतिकारी (2) डिजिटल (3) कलयुग (4) आधुनिक (5) औद्योगीकृत

प्र.153. (1) क्रोध (2) लापरवाह (3) ध्यान (4) खोज (5) नशे

प्र.154. (1) उसने (2) अपने (3) तुमने (4) अपनी (5) उसकी

प्र.155. (1) चिंता (2) ध्यान केंद्रित (3) आलोचना (4) फ्रिक (5) गुस्सा

प्र.156. (1) घंटे (2) दिन (3) वर्ष (4) पल (5) समय

प्र.157. (1) सहकर्मी (2) विद्यार्थी (3) प्रबंधक (4) कर्मचारी (5) अधिकारी

प्र.158. (1) अनुबंधित (2) मुक्त (3) प्रशिक्षित (4) सभ्य (5) सशक्त

प्र.159. (1) तकनीक (2) आंकड़े (3) योजना (4) समाचार (5) कार्यकुशलता

प्र.160. (1) जेड जेन (2) जेन जेड (3) वाई जेन (4) एक्स जेन (5) एस-वाई जेन

Q.121.(3)	Q.122.(3)	Q.123.(1)	Q.124.(2)	Q.125.(4)	Q.126.(4)
Q.127.(5)	Q.128.(1)	Q.129.(3)	Q.130.(5)	Q.131.(3)	Q.132.(5)
Q.133.(1)	Q.134.(2)	Q.135.(4)	Q.136.(4)	Q.137.(1)	Q.138.(5)
Q.139.(2)	Q.140.(4)	Q.141.(2)	Q.142.(3)	Q.143.(1)	Q.144.(4)
Q.145.(4)	Q.146.(5)	Q.147.(1)	Q.148.(2)	Q.149.(3)	Q.150.(5)
Q.151.(1)	Q.152.(2)	Q.153.(3)	Q.154.(5)	Q.155.(3)	Q.156.(5)
Q.157.(1)	Q.158.(2)	Q.159.(2)	Q.160.(2)		